

11.7.15

पत्रावली राज राजव लोक अदालत
 अदालत सेवा केन्द्र ग्रुप ककोड
 पर पेश हुयी वादीगण की
 ओर के दरिगम व प्रह्लाद उपा
 प्रतिवादीगण की ओर के ज्ञानपद
 उपा वादीगण के बताया कि
 वादगुप्त आराजी को लेकर अब
 कोई विवाद नहीं है वादगुप्त आराजी
 पर वादीगण का ही कर्ज काश्त
 है वादीगण वाद को चलाना
 नहीं चाहते है अतः वाद अन्त
 शतमति के इसी स्तर पर
 निस्तारित किया जाता है अतः
 पत्रावली केवल मुद्रा लेकर नष्ट
 हो कर है तथा दफ्तर की खिल
 है